संचार मंत्रालय द्वारा ''डिजिटल भारत'' के तहत इन्दौर में बीएसएनएल के बेहतर नेटवर्क के लोकार्पण समारोह में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

लोकार्पित होने वाली सेवाएं

1. नई टेक्नोलॉजी की 189 बीटीएस का लोकार्पण
2. 43 अत्याधुनिक नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क टेलीफोन एक्सचेंज का लोकार्पण
3. फास्ट **(MNGPN)** इंटरनेट नेटवर्क का लोकार्पण
4. भारत नेट प्रोजेक्ट का लोकार्पण और
5. 220 वाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का शिलान्यास

1. बीएसएनएल के बेहतर नेटवर्क के लोकार्पण के अवसर पर आपके बीच आकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। वर्ष 2016 में मैंने केन्द्रीय संचार मंत्रालय से अनुरोध किया और संचार मंत्रालय ने मेरी पहल को ध्यान में रखते हुए उच्चतम तकनीकी के 189 बीटीएस इंदौर शहर को मिले जिसका संस्थापन कार्य किया जा चुका है व इसमें 3जी तकनीकी के नये बीटीएस एवं 2जी तकनीकी के 41 नये बीटीएस लगाये गये जिससे शहर में जहां कॅवरेज की समस्या थी, उन्हें दूर की गई। वर्ष 2016–17 में इंदौर शहर में old technology के टेलीफोन एक्सचेंजों को बदलकर new technology के 43 (एनजीएन) एक्सचेंज लगाये गये हैं। इसी प्रकार, इसी वर्ष ब्रॉडबैण्ड एवं टांसमिशन नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने के लिए शहर में 11 स्थानों पर (MNGPN) एमएनजीपीन प्रोजेक्ट के तहत उपकरण लगाये गये व पूर्व नेटवर्क जो 10 जीबीपीएस क्षमता व पुरानी

तकनीकी का था, उसे बदलकर 20 जीबीपीएस क्षमता का नेटवर्क लगाया गया जिससे बेहतर इंटरनेट सेवा को ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके।

2. आधुनिक युग में किसी भी देश के आर्थिक विकास का परिचायक वहां की संचार व्यवस्था को माना जाता है। Infrastructure में संचार क्षेत्र सबसे अहम है। आज जीवन के हर क्षेत्र में ऐसे मुकाम प्राप्त हो गये हैं जो कि हमें जीवन की हर सुविधाएं एवं लाभ प्रदान कर रहे हैं। अब हमारा ये दायित्व बन जाता है कि ये सुविधा और लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

3. भारत नेट प्रोजेक्ट भारत सरकार के महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया प्रोग्राम की रीढ़ है। इस परियोजना का मूल उद्देश्य मार्च 2017 तक भारत के घर–घर को, विशेषकर ग्रामीण इलाकों के सभी घरों को नेट के माध्यम से आपस में जोड़ देना है। यह विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण ब्राडबैंड कनेक्टिविटी कार्यक्रम है जिसमें ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग किया गया है। भारत नेट परियोजना के तहत प्रथम चरण में एक लाख ग्राम पंचायतों को मार्च 2017 तक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने की योजना है। द्वितीय चरण के तहत, देश में 2,50,500 ग्राम पंचायतों में दिसम्बर 2018 तक बिछाए जाने की योजना है। तृतीय चरण के तहत वर्ष 2018 से 2023 तक जिला और ब्लॉक स्तर पर ऑप्टिकल फाइबर फ्यूचर प्रूफ नेटवर्क तैयार करने की योजना है।

4. हमारे देश में पहले Industrial Revolution हुआ, तत्पश्चात् Entrepreneureship की revolution हुई। अब सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांति का युग

चल रहा है। IT Revolution ने पूरी स्थिति ही बदल दी है। सूचना क्रांति के प्रभाव के कारण आज हर हाथ में मोबाइल है। यह सब टेक्नोलॉजी के प्रभाव का ही असर है। मोबाइल से आज जीवन का कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रह गया है चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, अर्थव्यवस्था का क्षेत्र हो, चिकित्सा का क्षेत्र हो अथवा इंजीनियरी का क्षेत्र हो। इन सभी क्षेत्रों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। आज मोबाइल चलते–फिरते ऑफिस के रूप में बदल गया है।

5. समय के साथ तकनीक बदल रही है और उस बदलते तकनीक के साथ हमें भी बदलना होगा। केन्या में एम–पेसा एक स्मार्ट सोच थी, आज उस सोच का प्रसार पूरे विश्व में हो गया है। नियमानुसार एक जगह पैसा जमा कराओ, दूसरी जगह ले लो। यह बहुत अच्छी बात है। अब मोबाइल न केवल समाचार पढ़ने और जानकारी हासिल करने का बल्कि टी.वी. देखने, रिपोर्टिंग करने एवं अन्य आर्थिक एवं मनोरंजन के सभी सशक्त माध्यम बन गए हैं।

6. आज ऐसी घड़ी (Watch) आ गई है जिसमें मोबाइल भी है, पानी में गिरने पर खराब भी नहीं होती है, साथ ही, ये health को भी monitor करती है एवं उनसे वीडियो कॉलिंग भी हो सकता है। मोबाइल में समय के साथ क्रान्तिकारी परिवर्तन आए हैं और हमारे देश का युवा वर्ग मोबाइल पर ही निर्भर हो गया है और बिना Broadband के युवा वर्ग अपने–आपको अधूरा समझता है।

7. इन्दौर में नए आधुनिकतम उपकरणों के लग जाने से Broadband अर्थात् डाटा की स्पीड बढ़ जाएगी। डाटा की स्पीड बढ़ने से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि डाटा की स्पीड लगभग दोगुनी होने से लगभग 5 से 7 बिलियन डॉलर व्यवसाय की वृद्धि आसानी से हो सकेगी। मोबाइल नेटवर्क की स्पीड सुधरने से यहां आर्थिक गतिविधियों को बहुत बल मिलेगा।

8. इन्दौर में बीएसएनएल द्वारा मोबाइल सेवा का बेहतर नेटवर्क प्रदान किया जा रहा है। वर्तमान में इन्दौर में मोबाइल की 3जी और 4जी की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। जहां भारत में 3जी/4जी की सेवाएं ही स्टैबलाइज हो रही हैं, वहीं जापान जैसे विकसित देश में 5जी की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह अत्यन्त आवश्यक है कि आने वाले समय में अर्थव्यवस्था में आ रहे बड़े बदलाव को ध्यान में रखते हुए शीघ्रता से हमारी तकनीक 5जी को लागू करने की ओर बढ़े। मुझे विश्वास है कि संचार मंत्री एवं अन्य मंत्रालयों के अधिकारी इस कार्य को अवश्य प्राथमिकता पर लेकर करेंगे।

9. यदि भारत को कम समय में ही विश्व के पटल पर नॉलेज सुपर पावर बनना है तो हमें प्रदत्त demographic dividend को अधिकाधिक आधुनिकतम ज्ञान और तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान कर, उन्हें skillful बना करके ही "Knowledge powerhouse" में बदलना होगा। तभी वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट मानव संसाधन भारत में उपलब्ध होंगे जो सम्पूर्ण विश्व को अपनी सेवाएं देंगे।

10. इस मायने में नेटवर्क के बृहद् होने का लाभ इन्दौरवासियों को भी मिलेगा। चूंकि इन्दौर मध्यप्रदेश की शैक्षिक और आर्थिक गतिविधियों का केन्द्र है। हमारे विद्यार्थीगण Modern Technology को बड़ी तेजी से आत्मसात कर लेते हैं। जिस तरह से देश की नामी–गिरामी आईटी कंपनियों का रूझान इन्दौर की तरफ हो रहा है, उनकी आवश्यकताओं को देखते हुए बीएसएनएल ने समय के अनुरूप अच्छा काम किया है।

11. 2007–08 में इंदौर में मल्टीप्ले ब्राडबैण्ड सेवा की शुरूआत की गई जिसके तहत ब्रॉडबैण्ड सेवाओं का विस्तार सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक किया गया। 2009–10 में बीएसएनएल द्वारा इंदौर शहर में 3जी सेवाएं चालू की गई तथा इसके अंतर्गत 3जी तकनीकी के 131 नवीन बीटीएस लगाये गये। 2009 में यूएसओ प्रोजेक्ट के तहत इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल सेवा का विस्तार किया गया। वर्ष 2012 तक इंदौर जिले के शहरी एवं ग्रामीण सभी 100 प्रतिशत दूरभाष केंद्रों में ब्रॉडबैण्ड की सेवा उपलब्ध कराई गई। वर्ष 2013 में इंदौर दूरसंचार जिले में डिजिटल इंडिया प्रोजेक्ट के अंतर्गत NOFN (नेशनल ऑप्टिकल फायबर नेटवर्क) के कार्य की शुरूआत हुई जिसके तहत इन्दौर जिले के 4 ब्लॉक–इंदौर, सांवेर, देपालपुर एवं महू में आने वाली 312 ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फायबर के माध्यम से 100 एमबीपीएस इंटरनेट लाइन डाली गई। वर्तमान में इन चारों ब्लॉकों में यह कार्य सम्पन्न हो चुका है। वर्ष 2013–14 में इंदौर जिले में Fibre to the Home (एफटीटीएच) सेवा शुरू की गई थी।

12. इन्दौर टेलीकम्यूनिकेशन जिले में 312 ग्राम पंचायतों में से 270 में ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी (Optical Fibre Connectivity) हो गई है। सभी Industrial Customer के लिए One Optional Line Termination Equipment सनावद रोड पर लगाया गया है। पुरानी 43 Exchange में नई technology का इस्तेमाल शुरू किया गया है। इस वर्ष 2017–18 में 100 हॉट स्पॉट लगाने का प्रस्ताव है जिससे उन्हें 4.5जी स्तर की सेवाएं उपभोक्ताओं तक पहुंच सकेगी।

13. मैं आशा करती हूं कि आने वाले समय में संचार मंत्रालय द्वारा इन्दौर ही नहीं समस्त देश में दूरसंचार सेवाओं में आधुनिकतम तकनीक का उपयोग करते हुए नागरिकों को आधुनिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

14. आज के ग्लोबल वार्मिंग के युग में पर्यावरण संरक्षण की बात भी बहुत महत्वपूर्ण है। आज हम Going Green in Telecom Sector की बात करते है। यह भी एक महत्वपूर्ण initiative है। दूरसंचार क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग से इसमें Energy Consumption को Solar, Hydro और Wind Energy के प्रयोग से कम करना, अपने Manufacture Sector और Waste Disposal में Green Technology के प्रयोग को बढ़ावा देना अब Telecom Sector के लिए अगला कदम है।

16. अप्रैल 2017 तक 2 करोड़ से अधिक लोग भीम एप को डाउनलोड कर चुके हैं। 44 बैंकों ने इसको अपनाया है। अर्थात् लोग बहुत तेजी से डिजिटल पेमेंट की ओर बढ़

रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार रेलवे में 58 प्रतिशत लोग टिकट इंटरनेट से खरीदने लगे हैं। एक अनुमान है कि आने वाले दस वर्षों में लगभग 90 प्रतिशत बैंकिंग transaction mobile से होने लगेगा। आने वाले वर्षों में एटीएम/बैंकिंग शाखा भी कम होने लगेंगी क्योंकि सारे कार्य मोबाइल से ही सम्पन्न हो जाया करेंगे।

17. पहले मोबाइल का उपयोग केवल वॉयस कालिंग के लिए होता था। परंतु अब मोबाइल का इस्तेमाल डाटा एवं नेट पैक के लिए होने लगा है क्योंकि मोबाइल चलते–फिरते ऑफिस के रूप में बदल गया है।

18. मुझे विश्वास है कि बीएसएनएल ऐसे ही प्रगति के नए आयाम हासिल करता रहेगा। एक बार फिर से यहां आए हुए सभी सम्माननीय जनों का मैं अभिनन्दन करती हूं और बधाई देती हूं।

————